Hindi Murli Quiz 31-05-2015

Q.1) **Q. निम्नलिखित वाक्य पुण्य आत्माओं के व्यक्तित्व के विषय में हैं I आज की मुरली अनुसार यह सही है अथवा गलत I निर्णय करें ----**
"पुण्य आत्माओं के नयनों में सदा बाप-दादा की मूर्त और सूरत में बाप-दादा की सीरत, स्मृति में बाप समान समर्थ, मुख में सदा ज्ञान रत्न अर्थात् सदा अमूल्य बोल, हर कर्म में बाप-समान चरित्र, सदा बाप-समान विश्व-कल्याणकारी वृत्ति होती है I "

A. सही
B. गलत

Q.2) **Q.पुण्य-आत्माओं के कर्तव्यों का सही चयन करें ----**

A. हर संकल्प और हर सेकेण्ड अपने और अन्य आत्माओं के प्रति पुण्य का खाता जमा करने और कराने वाले।
B. सदा कोई-न-कोई खजाने का महादान कर पुण्य कमाने वाले।
C. अपनी पुण्य की पूंजी से अनेक गरीबों को साहूकार बनाने वाले।
D. हर सेकेण्ड कल्याणकारी, रहमदिल किरणों द्वारा चारों ओर के दु:ख अशान्ति के अन्धकार को दूर करने वाले।

Q.3) **Q .निम्नलिखित वाक्यों के द्वारा द्वापर के राजाओं और ब्रह्मण बच्चों को प्राप्त सत्ता [अथॉरिटी] के अन्तर को दर्शाया गया है I यह वाक्य सही हैं अथवा गलत हैं,मुरली के आधार पर निर्णय करें ---**

"द्वापर के राजाओं में भी राज्य सत्ता की फुल पावर थी। किसी को मालामाल बना दें, किसी को फाँसी पर चढ़ा दें, दोनों अथॉरिटी थी। यह है इनडायरेक्ट दान-पुण्य की सत्ता जो अंत में अयथार्थ में यूज़ होने के कारण समाप्त हो गई। परन्तु आप पुण्य आत्माओं को तो डायरेक्ट बाप द्वारा प्रकृति-जीत, मायाजीत की विशेष सत्ता मिली हुई है जिससे अपने शुद्ध संकल्प के आधार से, किसी भी आत्मा के प्रति जो चाहो, वह उसको बना सकते हो।"

A. सही
B. गलत

Q.4) **Q .बाप कहते मेरे बच्चों को हर सेकेण्ड और हर संकल्प में सत्ता मिली हुई है, अथॉरिटी मिली हुई है, सर्व अधिकार मिले हुए हैं फिर भी बच्चे उसको यूज नहीं कर पाते I कारण क्या है?**
[निम्नलिखित कारणों में से मुरली अनुसार सबसे सटीक कारणों का चयन करें]

A. बच्चे यथार्थ रीति से सत्ता की वैल्यू को जानते हुए भी उसी प्रमाण यूज नहीं करते।
B. व्यर्थ सोचने और बोलने में ईश्वरीय सत्ता का मिस यूज करते I
C. कोई-न-कोई बात की तरफ स्वम् अधीन होने अथवा वशीभूत होने से अपना अधिकार मिसयूज कर लेते है I
D. अपने निजी कार्य को छोड़ अपने अलबेलेपन के ऐश-आराम में व्यस्त हो जाते हैं I

Q.5) **Q .बापदादा की यादप्यार पर आधारित यह मैचिंग एक्सरसाइज बहुत ध्यान पूर्वक करें -**

	Choice	Match
A	श्रेष्ठ संकल्प की विधि द्वारा,	आत्माओं की सद्गति करने वाले I
B	ईश्वरीय सत्ता द्वारा,	आत्माओं को हर विपदा से छुड़ाने वाले I
C	सदा पुण्य की पूंजी,	जमा करने और कराने वाले I
D	सदा विश्व-कल्याण के,	दृढ़ संकल्प धारण करने वाले I
E	ऐसे सर्व श्रेष्ठ पुण्य आत्माओं को,	बाप-दादा का याद, प्यार और नमस्ते।

Q.6) **Q .बाप बोले कि श्रेष्ठ ब्राह्मणों का संकल्प आत्मा के तकदीर की लकीर खींचने वाला साधन है। उनका एक संकल्प एक स्विच है जिसको ऑन कर सेकेण्ड में अन्धकार मिटा सकते हो।**
[मुरली अनुसार श्रेष्ठ ब्राह्मणों के संकल्पों की सभी विशेषताएं बहुत ध्यान से सही-सही से चयन करें]

A. ☑ पुण्य आत्माओं का संकल्प एक रूहानी चुम्बक है जो आत्मा को रूहानियत की तरफ आकार्षित करने वाला है।
B. ☑ पुण्य आत्मा का संकल्प लाइट हाउस है जो भटके हुए को सही मंजल दिखाने वाला है।
C. ☑ पुण्य आत्मा का संकल्प अति शीतल स्वरूप है, जो विकारों की आग में जली हुई आत्मा को शीतल बनाने वाला है।
D. ☑ पुण्य आत्मा का संकल्प श्रेष्ठ शस्त्र है जो अनेक बन्धनों की परतन्त्र आत्मा को स्वतन्त्र बनाने वाला है।
E. ☑ पुण्य आत्मा के संकल्प में ऐसी विशेष शक्ति है कि सम्भव को भी असम्भव कर सकते हो।
F. ☑ पुण्य आत्माओं के श्रेष्ठ संकल्प द्वारा ना-उम्मीदवार, उम्मीदवार बन सकता है ।

Explanation: पुण्य आत्मा के संकल्प में ऐसी विशेष शक्ति है कि असम्भव को भी सम्भव कर सकते हो।

Q.7) **Q ." व्यर्थ को फुल स्टॉप दो और ----------------का स्टॉक फुल करो।"**

[निम्नलिखित विकल्पों में से सबसे सटीक एक उत्तर से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें]

A. ◉ शुभ भावना
B. ○ समर्थ संकल्प
C. ○ पुण्य
D. ○ शक्तियों

Q.8) **Q ".बापदादा की बच्चों प्रति डायरेक्शन एवं सावधानी है कि हर सेकेण्ड पुण्य की पूंजी जमा करो। हर सेकेण्ड हर संकल्प की वैल्यू को जान, संकल्प और सेकेण्ड को यूज करो। चाहे जमा करो और कराओ, चाहे व्यर्थ गँवाओ, यह आपके ऊपर है। गँवाने वाले को पश्चाताप करना पड़ेगा। जमा करने वाले सर्व प्राप्तियों के झूले में झूलेंगे।"**

A. ◉ सत्य
B. ○ असत्य

Q.9) **Q .शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं --**

	Choice	Match
A	टीचर अर्थात् सुनाने वाली ही नहीं,	लेकिन कहने के साथ स्वरूप में अनुभव कराने वाली।
B	टीचर्स के गुणों की धारणा की खुशबु, शक्ति की खुशबु,	वायुमण्डल व वायब्रेशन्स को सदा शक्तिशाली बनाये।
C	टीचर्स अर्थात् परिवर्तन करने वाली,	न कि वह कभी किसी के प्रभाव में स्वयं परिवर्तन होने वाली।
D	टीचर में अगर कोई भी शक्ति की कमी होगी ,	तो दूसरे भी उसी बात में कमजोर होंगे क्योंकि निमित्त हैं।
E	पुरूषार्थ की थकावट भी आलस्य की निशानी है।	आलस्य वाले जल्दी थकते हैं, उमंग वाले अथक होते हैं।

Q.10) **Q .सूक्ष्म वतन की सभी सीन-सीनरियां स्पष्ट अनुभव करने के लिए बापदादा ने जो सुझाओ दिए हैं उनका सही-सही चयन करें - ---**

A. ☑ मन और बुद्धि को सदा मनमत से खाली रखो ।
B. ☑ इस अनुभूति के लिए कोई भी बोझ अपने ऊपर नहीं रखो, सब बोझ बाप को देदो ।
C. ☑ मन बुद्धि से सदा शुद्ध संकल्प का भोजन करो,न कि व्यर्थ संकल्प व विकल्प का अशुद्ध भोजन ।
D. ☐ प्यार से योगयुक्त होकर भोजन बनाओ ।